भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3601

10 दिसम्बर, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: दलहनों की कीमत

3601. कुमारी राम्या हरिदासः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बतानेकी कृपा करेंगे किः

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान दलहनोंकी बढ़ती कीमत के फलस्वरूप तकनीकी हस्तक्षेपके साथ उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)द्वारा प्रोत्साहन मिलने से दलहनों की खेती केक्षेत्रफल में वृद्धि की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

(श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) तथा (ख): किसानों के बुआई विकल्प मौसम की स्थितियों, वर्षा स्थिति, सिंचाई सुविधाओं, अंतर-फसल लाभदेयता, मिट्टी की स्थिति, अन्य समान फसलों से बेहतर लाभ की आशा आदि पर निर्भर करते हैं। तथापि, सरकार ने दलहन का क्षेत्र कवरेज और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए दलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। सरकार दलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए देश के 28राज्यों के 638 जिलों तथा2 संघ राज्य क्षेत्रों (जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख) में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - दलहन (एनएफएसएम-दलहन) का कार्यान्वयन कर रही है।

परिणामस्वरूप,देश में दलहनों का क्षेत्रफल 2015-16 के दौरान 24.91 मिलियन हैक्टेयर की तुलना में 2016-17 के दौरान 29.45 मिलियन हैक्टेयर तक बढ़ गया और आगे 2017-18 के दौरान 29.81 मिलियन हैक्टेयर रिकॉर्ड प्राप्त किया गया है। 2018-19 के दौरान (चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार), देश में दलहनों का कुल क्षेत्रफल 29.03 मिलियन हैक्टेयर तक अनुमानित है जो विगत पांच वर्षों (2013-14 से 2017-18) की दलहनों के औसत क्षेत्रफल की तुलना में 2.44 मिलियन हैक्टेयर अधिक है।

*****